Notes

A society that labels certain people as outside the norm - weird, scary, hateful or useless - marginalizes those people edging them out. Native or aboriginal groups often end up in this position and so do people are poor disabled elderly or who in other ways are seen as not quite fitting in.

(1) स्त्री शिक्षा Women Education

ब्रिटिश युग में स्त्री शिक्षा का विकास :-

(1854)

(1) स्वतंत्रता के पूर्व सर्वप्रथम वुड के घोषणा पत्र में यह कहा गया था कि उदारता पूर्वक सहायता अनुदान देकर प्रोत्साहित किया जाए आदेश पत्र में उन सभी लोगों को प्रोत्साहित किया गया जो स्त्री शिक्षा को बढ़ावा दिए। उनके अनुसार स्त्रियों की समुचित शिक्षा के लिए उचित प्रशिक्षण एवं की व्यवस्था की भी सिफारिश की गई। इस प्रकार कम्पनी द्वारा अपेक्षित स्त्री शिक्षा में प्रगति आरंभ हुई

(2) 1882 में स्त्रियों की शिक्षा के लिए अनेक प्राथमिक शिक्षा खोले गए पर बाद में उन्होंने की महत्व तथा उच्च विद्यालय के

Notes

के पद में नहीं थे।

3) इस काल में मिशनरियों द्वारा विद्यालय खोले जाने के पीछे दो उद्देश्य थे -

a) मिशन बालिका विद्यालयों के लिए अध्यापिकाओं को शिक्षित करना।

b) धर्म परिवर्तित ईसाई स्त्रियां को अध्यापिकाएं बनाकर उनके जीविकोपार्जन की समस्या का हल करना।

4) हण्टर शिक्षा आयोग (1882) ने नारी शिक्षा को अधिक प्रगतिशील बनाने के लिए अधिक आवश्यक सुविधाएँ जुटाने की बात कही तथा लड़कियों के लिए अलग-अलग विद्यालयों को खोला गया, तथा पाठ्यक्रम सरल, रोचक तथा उपयोगी बनाने के लिए निरीक्षिकाओं (Supervisor) की नियुक्ति करने का सुझाव दिया अतः सरकार ने अनुदान देना प्रारंभ किया जिससे विद्यालयों की संख्या बढ़ी।

5) सन् 1901 में मिशनरियों की बढ़ते हुए प्रभाव को देखकर आर्य समाज ने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों की स्थापना की राष्ट्रीय आन्दोलन से प्रभावित होकर आर्य प्रतिनिधि सभा ने पंजाब के तत्वाधान में हरिद्वार और वृन्दावन में लड़कों के गुरुकुल के साथ लड़कियों के लिए भी गुरुकुल खोले गए। 1904 ई० में एनी बेसेंट ने बनारस में Central Hindu Balika Vidaya की स्थापना की। 188
190 ... बालिका शिक्षा में लगातार प्रगति हु...

Notes

(8) गोपाल कृष्ण गोखले पहले नेता थे जिन्होंने ब्रिटिश संसद में भारतीय नागरिकों के लिए अनिवार्य शिक्षा की मांग की। उनकी दूरदर्शिता के कारण गोखले विधेयक (1911) प्रस्तावित हुआ। सामाजिक कुरीतियों के कारण, पर्दा प्रथा के कारण अनिवार्य शिक्षा को अपनाना कठिन था, फिर से सरकार से 6-10 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य कर दें। परन्तु ये विधेयक पास नहीं हो सका और शिक्षा अनिवार्यता ग्रहण न कर सकी। सन् 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध छिड़ने के बाद शिक्षा की प्रगति अवरुद्ध हो गई।

स्वतंत्रता के बाद स्त्री शिक्षा :-

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 15(1), 16(1), 16(2) में उल्लिखित है कि किसी भी नागरिक से लिंग के ~~आधार~~ आधार पर भेदभाव नहीं किया जायेगा। सरकार ने नारी उत्थान के लिए श्रीमति जयन्ती पटनायक की अध्यक्षता में नेशनल कमीशन ऑफ वीमेन की स्थापना की, और यह नारी उत्थान के लिए यह कमीशन अच्छा काम कर रहा है।

(1) राधाकृष्ण कमीशन (1948-49) - स्त्री शिक्षा पर बल देते हुए

Notes

कहा है कि "शिक्षित स्त्रियों से बिना शिक्षित व्यक्ति नहीं हो सकते।

(2) योजना आयोग ⇒ इस काल में स्त्री शिक्षा के विकास हेतु जो लक्ष्य निर्धारित की गई थी उसके परिणामस्वरूप 6-11 वर्ष की आयु वाली बालिकाओं की संख्या का प्रतिशत वर्ष 1955-56 में 40% तक पहुँच गया जो कि 1950-51 में 23.3% था।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना - इस काल में स्त्रियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया, इस योजना काल में महिला शिक्षकों को शिक्षक प्रशिक्षण हेतु विशेष व्यवस्था की गई। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया गया था।

(3) राष्ट्रीय महिला शिक्षा समिति (1958) ⇒ इसे दुर्गाबाई देशमुख समिति के नाम से भी जाना जाता है, इस समिति का उद्देश्य स्त्री शिक्षा के विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिए सुझाव देना था।

(4) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) में कही, जिसमें
» बालिकाओं के लिए परिवेश का निर्माण करना।
» औपचारिक तथा अनौपचारिक दोनों शिक्षा के लिए सुविधाएँ देना। इत्यादि।

Notes

(5) प्रोफेसर राममूर्ति समिति (1991) → इस समिति ने —

(i) अध्यापिकाओं की अधिक से अधिक नियुक्ति करने की बात कही।

(ii) विभिन्न स्तरों पर महिला अनुसंधान केन्द्रों की स्थापना की जाए।

(iii) उन्हें ऋण, पाठ्य पुस्तक इत्यादि वितरण की बात कही।

(6) राष्ट्रीय महिला आयोग (1992) को प्रस्ताव में अ
→ महिलाओं को कानूनी सुरक्षा प्रदान करने
बातों को रखा गया, तथा उसे कारगर ढंग
लागू किए जाने की बात कही गई।
→ महिलाओं की शिकायतों पर ध्यान देना
जहाँ कानून का उल्लंघन हो, वहाँ समस्त
संबंधित अधिकारी तक पहुँचना इत्यादि
को रखा गया।